VISION IAS
INSPIRING INNOVATION

हिन्दी साहित्य

वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज 2026

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची

सिर्फ मॉक टेस्ट नहीं, आपकी सफलता की तैयारी भी

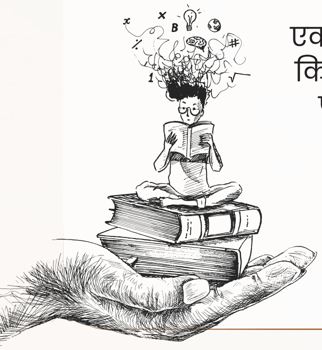

एक अभ्यर्थी के रूप में, आप अपने वैकल्पिक विषय में निपुणता हासिल करने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। आप किताबें पढ़ रहे हैं, नोट्स बना रहे हैं और अवधारणाओं को समझ रहे हैं। लेकिन केवल विषय को जान लेना, मुख्य परीक्षा (Mains) में सफलता की बस पहली सीढ़ी है। वास्तविक चुनौती तो परीक्षा कक्ष में सामने आती है जब आपको अपने ज्ञान को परीक्षा के तनाव और गहन दबाव के बीच ऐसे उत्तरों में रूपांतरित करना होता है, जो आपको उच्च अंक दिला सकें।

पिछले एक दशक से अधिक समय से, VisionIAS भारत के शीर्ष रैंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का विश्वसनीय सहयोगी और मार्गदर्शक रहा है, न केवल ज्ञान प्रदान करने में, बल्कि उत्तर लेखन के माध्यम से उस ज्ञान के सही प्रयोग में पारंगत बनाने में भी।

विषय की समझ से लेकर रैंक तक – हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय में एक संपूर्ण मार्गदर्शन और सहायता

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय कॉम्प्रिहेंसिव टेस्ट सीरीज

टेस्ट सीरीज में शामिल टेस्ट- 16

टेस्ट सीरीज की विशेषताएं

घटक	टेस्टों की सं.	विवरण	प्रश्नों की प्रकृति
यूनिट टेस्ट	**8**	पाठ्यक्रम के प्रत्येक भाग से 2 मिनी-टेस्ट	पाठ्यक्रम की व्यापकता पर केंद्रित सरल से मध्यम स्तर तक
सेक्शनल टेस्ट	**4**	पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेक्शन से 1 टेस्ट	मध्यम से कठिन, UPSC मुख्य परीक्षा की अनिश्चित प्रकृति से निपटने के लिए अभ्यर्थियों की विश्लेषणात्मक समझ का परीक्षण
फुल-लेंथ टेस्ट	**4**	हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र से संबंधित 2 फुल लेंथ टेस्ट	प्रदर्शन के व्यापक मूल्यांकन के लिए वास्तविक UPSC परीक्षा के अनुसार अभ्यास

VisionIAS उत्तर लेखन की रूपरेखा

मॉडल उत्तरों से आगे बढ़ते हुए, यह रूपरेखा केवल "क्या लिखना है" पर नहीं, बल्कि "क्या और कैसे लिखना है" पर केंद्रित है।

प्रश्न का विश्लेषण-

- UPSC की सटीक मांग को समझना

उत्तर की संरचना-

- मुख्य सिद्धांतों और अवधारणाओं को शामिल करना
- वैल्यू एडीशन- उद्धरणों और आलोचकों के विचारों को शामिल करना

अतिरिक्त अंक कैसे प्राप्त करें-

- प्रभावी भूमिका, प्रश्न अनुसार निष्कर्ष, प्रासंगिक उदाहरणों को शामिल करना

VisionIAS के साथ जुड़ने के लाभ

- परीक्षा के बाद परामर्श और फीडबैक

मेंटरशिप-

- मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं पर एक मेंटर के साथ व्यक्तिगत रूप से वन-टू-वन चर्चा

ऑल इंडिया रैंकिंग-

- ऑल इंडिया रैंकिंग प्रणाली के तहत हजारों अभ्यर्थियों के साथ प्रदर्शन की तुलना

अध्ययन सामग्री-

- तुलना के लिए टॉपर्स की उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुँच

इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम

- उत्तर पुस्तिका जमा करने के 7-10 दिनों के भीतर प्रत्येक प्रश्न का विस्तृत फीडबैक
- संदर्भगत और विषयगत योग्यता के साथ-साथ प्रस्तुतीकरण, भाषा आदि सभी आयामों का मूल्यांकन

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज

प्रोग्राम 1: 16 टेस्ट

प्रोग्राम की विशेषताएं:

- 8 यूनिट टेस्ट: हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के पाठ्यक्रम को भागों में कवर करने वाले मिनी टेस्ट।
- 4 सेक्शनल टेस्ट: हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के लिए विषयवार टेस्ट जो संपूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करते हैं।
- 4 फुल-लेंथ टेस्ट (FLT): UPSC मुख्य परीक्षा जैसा अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किए गए फुल-लेंथ टेस्ट (FLTs), जिनका आयोजन प्रारंभिक परीक्षा 2026 के बाद किया जाएगा।

प्रोग्राम 2: 8 टेस्ट

प्रोग्राम की विशेषताएं:

- 4 सेक्शनल टेस्ट: हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के लिए विषयवार टेस्ट जो संपूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करते हैं।
- 4 फुल-लेंथ टेस्ट (FLT): UPSC मुख्य परीक्षा जैसा अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किए गए फुल-लेंथ टेस्ट (FLTs), जिनका आयोजन प्रारंभिक परीक्षा 2026 के बाद किया जाएगा।

प्रोग्राम का विवरण

प्रोग्राम	शुल्क	मॉड्यूल संख्या	प्रारंभ तिथि
हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज कार्यक्रम 2026 (16 टेस्ट)	₹ 14,000	3837	14 दिसम्बर
हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज कार्यक्रम 2026 (8 टेस्ट)	₹ 10,000	3838	4 जनवरी

वैकल्पिक विषय की दुविधाः आपको पाठ्यक्रम की समझ और विषय का ज्ञान तो है, फिर आप अच्छे अंक क्यों नहीं प्राप्त कर रहे ?

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय की अन्य टेस्ट सीरीज	VisionIAS हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज
• सामान्य फीडबैक • अस्पष्ट मॉडल उत्तर • पुराने प्रश्न पत्र के पैटर्न पर आधारित एक जैसे प्रश्नों की बारंबारता	• विगत वर्षों के प्रश्नों (PYQs) के विश्लेषण द्वारा प्रश्नों का निर्माण • स्पष्ट एवं सुसंगत मॉडल उत्तर • सुव्यवस्थित उत्तर लेखन अभ्यास • वैयक्तिकृत मूल्यांकन • मेंटरशिप के माध्यम से अंकों में सुधार

इसलिए, चाहे आप-

- अभी शुरुआत कर रहे हों और यह न जानते हों कि एक अच्छा उत्तर कैसे लिखा जाए,
- पहले से ही उत्तर-लेखन का अभ्यास कर रहे हैं, लेकिन ऐसा अस्पष्ट फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं जो यह नहीं बताता कि कैसे सुधार करना है, या
- एक अनुभवी अभ्यर्थी हों जिनके अंक नहीं बढ़ रहे हैं, भले ही आपको विषय की पूरी जानकारी है।

आपको **VisionIAS** की टेस्ट सीरीज की विशेषताओं का लाभ उठाना चाहिए और टॉपर की तरह सोचना चाहिए। UPSC में सफलता उन्हीं को मिलती है जो मुख्य परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करते हैं। ऐसी उच्च गुणवत्ता वाली टेस्ट सीरीज में शामिल होना जिसपर टॉपर्स का पूर्ण विश्वास हो, निश्चित रूप से आपको UPSC सिविल सेवा परीक्षा में सफलता दिलाएगा।

2025 की मुख्य परीक्षा में हमारी टेस्ट सीरीज का प्रदर्शन

VisionIAS में, हम केवल पाठ्यक्रम को कवर नहीं करते, बल्कि UPSC परीक्षा के मूल स्वरूप को समझते हैं। हमारा शोध-आधारित दृष्टिकोण उभरते रुझानों, दोहराए जाने वाले विषयों और प्रश्नों के पैटर्न में हो रहे बदलावों की पहचान करता है। इसी कारण हमारी टेस्ट सीरीज केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि परीक्षा के रुझानों का पूर्वानुमान लगाती है।

मुख्य परीक्षा 2025 और हमारी टेस्ट सीरीज में पूछे गए प्रश्नों का विश्लेषण

UPSC मुख्य परीक्षा-2025 में पूछे गए प्रश्न	VisionIAS टेस्ट सीरीज- 2025 में पूछे गए प्रश्न
हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय प्रश्न पत्र- 1	
Q1. (e) मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक अंतर्सम्बन्ध	Q. मध्यकालीन काव्य-भाषा के रूप में ब्रज और अवधी के सह-अस्तित्व और पारस्परिक प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। क्या कोई एक भाषा दूसरे पर हावी थी? (अभ्यास- 4525)
Q2. (a) 19वीं सदी के खड़ी बोली आंदोलन के ऐतिहासिक कारकों और उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।	Q. 19वीं सदी में खड़ी बोली हिंदी के विकास में सामाजिक सुधार आंदोलनों की भूमिका की सोदाहरण चर्चा कीजिए। (टेस्ट- 3424)
Q4. (c) खुसरो के साहित्य में प्रयुक्त हिन्दी की विशेषताएं लिखिए।	Q. अमीर खुसरो के भाषागत योगदान का मूल्यांकन कीजिए। उन्हें 'खड़ी बोली हिंदी' का पहला कवि क्यों माना जाता है? (अभ्यास- 4525)
Q4. (a) स्वाधीनता आंदोलन ने जनभाषा के रूप में हिन्दी के विकास को किस तरह प्रभावित किया?	Q. स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी भाषा किस प्रकार जन-चेतना और राष्ट्रीय भावनाओं को अभिव्यक्त करने का माध्यम बनी? स्पष्ट कीजिए। (टेस्ट-3426)
Q6. (b) विद्यापति की आध्यात्मिकता पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की टिप्पणी की समीक्षा कीजिए।	Q. विद्यापति को भक्ति का कवि माना जाए या श्रृंगार का? उदाहरण सहित तर्क देते हुए अपने दृष्टिकोण को सिद्ध कीजिए। (टेस्ट- 3424)
Q5. (a) हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	Q. उपन्यास और यथार्थवाद के संबंध को स्पष्ट करते हुए, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में यथार्थ के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालिए। (अभ्यास- 4525)
Q6. (a) कृष्णा सोबती के उपन्यासों की स्त्री-दृष्टि पर वर्तमान स्त्री-विमर्श के संदर्भ में विचार कीजिए।	Q. कृष्णा सोबती की रचनाओं में वर्णित नारी चेतना को रेखांकित कीजिए। (टेस्ट- 3421)
हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय प्रश्न पत्र- 2	
Q2. (c) 'भारत-भारती' में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप विश्लेषण कीजिए।	Q. 'भारत भारती' की राष्ट्रीय चेतना को आज के संदर्भ में समझाइए। (टेस्ट- 3427)
Q4. (c) 'ब्रह्मराक्षस' कविता की प्रतीक-योजना पर प्रकाश डालिए।	Q. ब्रह्मराक्षस में 'अखण्ड स्नान' और निरंतर 'स्वच्छता प्रयास' के दृश्य के माध्यम से मुक्तिबोध ने दोष-बोध और स्वयं-शोधन के दार्शनिक आयाम कैसे उद्घाटित किए हैं? (अभ्यास- 4526)
Q3. (c) "विश्व की विभूति में मन को रमाने का जैसा अवसर भक्ति भावना में है; वैसा अन्तःसाधना में नहीं" – सूरदास कृत 'भ्रमरगीत' के आधार पर इस कथन की युक्तिसंगत समीक्षा कीजिए।	Q. भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने किस प्रकार अपनी गहन भक्ति-भावना और अप्रतिम काव्य-कला का परिचय दिया है? विवेचन कीजिए। (टेस्ट- 3422)
Q3. (a) "कामायनी आधुनिक सभ्यता का प्रतिनिधि महाकाव्य है" - स्पष्ट कीजिए।	Q. "कामायनी में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए। (टेस्ट-3422)

Q8. (c) "'महाभोज' उपन्यास राजनीति और अपराध के आपसी गठजोड़ पर करारा प्रहार करता है"- स्पष्ट कीजिए।	Q. क्या 'महाभोज' समकालीन दलगत राजनीति का जन-विरोधी चरित्र विश्वसनीय तरीके से दर्शाने में सफल रहा है? वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में कथन के संदर्भ में अपने मत की अभिव्यक्ति करें। (अभ्यास- 4526) Q. (a) राजनीति और अपराध के आपसी संबंधों की औपन्यासिक प्रस्तुति के रूप में 'महाभोज' पर विचार कीजिए। (टेस्ट- 3425)
Q6. (c) भारतीय ग्रामीण जीवन को वैध सम्मान दिलाने की दृष्टि से 'मैला आँचल' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।	Q. "फणीश्वरनाथ रेणु का 'मैला आँचल' केवल एक आंचलिक उपन्यास नहीं, बल्कि भारतीय गांव की बदलती सामाजिक-राजनीतिक संरचना का सूक्ष्म अध्ययन है।" सोदाहरण विवेचना कीजिए। (अभ्यास- 4526)

मॉड्यूल- 1 (16 टेस्ट): टेस्ट शेड्यूल और संदर्भ

टेस्ट सं. (कोड)	दिनांक	कवर किए जाने वाले टॉपिक	प्राथमिक संदर्भ सामग्री	अन्य संदर्भ सामग्री
यूनिट टेस्ट-1 (5357)	**14 दिसंबर**	**हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास** i. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। ii. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। iii. सिद्धनाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। iv. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास। v. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।	हिन्दी : उद्‌भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी हिन्दी भाषा की परंपरा और विकास -डॉ. राम प्रकाश हिन्दी भाषा का विकास - गोपाल राय हिन्दी और उसकी विविध बोलियां - कैलाश तिवारी हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - अम्बा सुमन प्रसाद राजभाषा : स्वरूप एवं कार्यान्वियन -ई-ज्ञानकोष मानक हिन्दी और मानकीकरण की समस्या - ई-ज्ञानकोष	हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी भाषा का विकास -ई-ज्ञानकोष राजभाषा भारती (राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
यूनिट टेस्ट-2 (5358)	**21 दिसंबर**	**हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास** i. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। ii. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। iii. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। iv. हिन्दी की प्रमुख बोलियां और उनका परस्पर संबंध। v. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएं और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। vi. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।	हिन्दी : उद्‌भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी हिन्दी भाषा की परंपरा और विकास -डॉ. राम प्रकाश हिन्दी भाषा का विकास - गोपाल राय हिन्दी और उसकी विविध बोलियां - कैलाश तिवारी हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - अम्बा सुमन प्रसाद राजभाषा : स्वरूप एवं कार्यान्वियन -ई-ज्ञानकोष मानक हिन्दी और मानकीकरण की समस्या - ई-ज्ञानकोष	हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी भाषा का विकास -ई-ज्ञानकोष राजभाषा भारती (राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

सेक्शनल टेस्ट-1 (5359)	**4 जनवरी**	**यूनिट टेस्ट-1 और यूनिट टेस्ट-2 का संपूर्ण पाठ्यक्रम**		
यूनिट टेस्ट-3 (5360)	**11 जनवरी**	**हिन्दी साहित्य का इतिहास** हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। **हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियां।** **(क) आदिकाल:** सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचंद्र, विद्यापति। **(ख) भक्ति काल:** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। **(ग) रीतिकाल:** रीतिकाव्य, रीतिबद्धकाव्य, रीतिमुक्त काव्य। प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। **(घ) आधुनिक काल:** क. नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल ख. प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। ग. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। **प्रमुख कवि:** मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर 'प्रसाद', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।	हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चुतर्वेदी हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपादक डॉ. नगेंद्र हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भक्ति- आंदोलन और भक्ति काव्य -शिवकुमार मिश्र भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय	इग्नू के नोट्स (एम.ए. पाठ्यक्रम) हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल, हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. रमेश खनेजा) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. विजया सती)
यूनिट टेस्ट-4 (5361)	**18 जनवरी**	**कथा साहित्य** क. उपन्यास और यर्थाथवाद ख. हिन्दी उपन्यासों का उद्‌भव और विकास ग. **प्रमुख उपन्यासकार:** प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी घ. हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास ङ **प्रमुख कहानीकार:** प्रेमचन्द, जयशंकर 'प्रसाद,' सच्चिदानंद वात्स्यायन, 'अज्ञेय,' मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। **नाटक और रंगमंच** क. हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास। ख. **प्रमुख नाटककार:** भारतेन्दु, जयशंकर 'प्रसाद,' जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। ग. हिन्दी रंगमंच का विकास।	हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय हिन्दी उपन्यास - रामचंद्र तिवारी हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार - डॉ. हरिमोहन	इग्नू के नोट्स (एम.ए. पाठ्यक्रम) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. विजया सती) गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. रमेश खनेजा)

		आलोचना क. हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी, आलोचना और नई समीक्षा। ख. **प्रमुख आलोचक** रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। **हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं** ललित निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतान्त।		
सेक्शनल टेस्ट-2 (5362)	**25 जनवरी**	**यूनिट टेस्ट-3 और यूनिट टेस्ट-4 का संपूर्ण पाठ्यक्रम**		
यूनिट टेस्ट-5 (5363)	**8 फरवरी**	**पद्य साहित्य (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल)** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) संपादक : श्याम सुन्दरदास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) संपादक: रामचंद्र शुक्ल 3. तुलसीदासः रामचरित मानस (सुंदर काण्ड) कवितावली (उत्तर काण्ड). 4. जायसीः पदमावत (सिहंलद्वीप खण्ड और नागमती वियोग खण्ड) संपादक : श्याम सुन्दरदास 5. बिहारीः बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे), संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकार	कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी भ्रमरगीतसार (भूमिका) - आ. रामचंद्र शुक्ल जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आ. रामचंद्र शुक्ल जायसी - विजयदेव नारायण साही तुलसी (संकलन) उदयभानु सिंह लोकवादी तुलसी - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी बिहारी - रीति काव्य संग्रह - जगदीश गुप्त कामायनीः मूल्यांकन एवं पुनर्मूल्यांकन (संकलन) - इन्द्रनाथ मदान	कबीर का काव्य ई-ज्ञानकोष मध्यकालीन काव्य (पद्मावत, तुलसी और सूरदास) -ई-ज्ञानकोष हिन्दी काव्य बिहारी -ई-ज्ञानकोष गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचंद्र शुक्ल
यूनिट टेस्ट-6 (5364)	**15 फरवरी**	**पद्य साहित्य (आधुनिक काल)** 1. मैथिलीशरण गुप्तः भारत भारती 2. जयशंकर 'प्रसाद': कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) संपादक : राम विलास शर्मा 4. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र 5. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्य वीणा) 6. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 7. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य - कमलकांत पाठक कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - डॉ. नगेन्द्र निराला और मुक्तिबोध - चार लम्बी कविताएं - नंद किशोर नवल निरालाः एक आत्महंता आस्था दूधनाथ सिंह मुक्तिबोध (संपादक) - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी कविता के नए प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह असाध्यवीणा और अजेय (संकलन) - रमेश चंद्र शाह कविता का परिसर - रामेश्वर राय	प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण -रामधारी सिंह दिनकर

सेक्शनल टेस्ट-3 (5365)	**22 फरवरी**	**यूनिट टेस्ट-5 और यूनिट टेस्ट-6 का संपूर्ण पाठ्यक्रम**		
यूनिट टेस्ट-7 (5366)	**8 मार्च**	**गद्य साहित्य (नाटक और निबंध)** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. प्रसाद : स्कंदगुप्त 4. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1) (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति)। 5. निबंध निलयः संपादक डा. सत्येन्द्र, बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राम विलास शर्मा, अजेय, कुबेर नाथ राय।	भारत दुर्दशाः कथ्य और शिल्प - डॉ. रेवती रमण राकेश के नाटक : कुछ अंतःसूत्र -जगदीश वर्मा आधुनिक नाटक का मसीहाः मोहन राकेश - गोविंद चातक	ई-ज्ञानकोष पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री
यूनिट टेस्ट-8 (5367)	**15 मार्च**	**गद्य साहित्य (कहानी और उपन्यास)** 1. प्रेमचंदः गोदान, 'प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियां': संपादक अमृत राय 2. यशपाल : दिव्या 3. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 4. मन्नू भण्डारी : महाभोज 5. राजेन्द्र यादव (संपादक) : एक दुनिया समानान्तर, (सभी कहानियां)	गोदान का महत्त्व - डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र मैला आँचल गोपाल राय स्कंदगुप्त- डॉ. सिद्धनाथ कुमार एक दुनिया समानांतर की भूमिका - राजेन्द्र यादव	ई-ज्ञानकोष पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री
सेक्शनल टेस्ट-4 (5368)	**22 मार्च**	**यूनिट टेस्ट-7 और यूनिट टेस्ट-8 का संपूर्ण पाठ्यक्रम**		
FLT-1 (5369)	**14 जून**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 1, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-1)		
FLT-2 (5370)	**28 जून**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 2, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-2)		
FLT-3 (5371)	**12 जुलाई**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 1, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-3)		
FLT-4 (5372)	**26 जुलाई**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 2, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-4)		

मॉड्यूल- 2 (8 टेस्ट): टेस्ट शेड्यूल, संदर्भ

टेस्ट सं. (कोड)	दिनांक	कवर किए जाने वाले टॉपिक	प्राथमिक संदर्भ सामग्री	अन्य संदर्भ सामग्री
टेस्ट-1 (5359)	**4 जनवरी**	**हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास** i. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। ii. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। iii. सिद्धनाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। iv. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।	हिन्दी : उद्‌भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी हिन्दी भाषा की परंपरा और विकास -डॉ. राम प्रकाश हिन्दी भाषा का विकास - गोपाल राय हिन्दी और उसकी विविध बोलियां - कैलाश तिवारी	हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी भाषा का विकास

		v. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण। vi. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। vii. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। viii. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। ix. हिन्दी की प्रमुख बोलियां और उनका परस्पर संबंध। x. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएं और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। xi. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।	हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - अम्बा सुमन प्रसाद राजभाषा : स्वरूप एवं कार्यान्वियन -ई-ज्ञानकोष मानक हिन्दी और मानकीकरण की समस्या - ई-ज्ञानकोष	-ई-ज्ञानकोष राजभाषा भारती (राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार)
टेस्ट-2 (5362)	**25 जनवरी**	**हिन्दी साहित्य का इतिहास** हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। **हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियां।** **(क) आदिकाल:** सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचंद्र, विद्यापति। **(ख) भक्ति काल:** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। **(ग) रीतिकाल:** रीतिकाव्य, रीतिबद्धकाव्य, रीतिमुक्त काव्य। प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। **(घ) आधुनिक काल:** क. नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल ख. प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। ग. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। **प्रमुख कवि:** मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर 'प्रसाद', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन। **कथा साहित्य** क. उपन्यास और यर्थाथवाद	हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चुतर्वेदी हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपादक डॉ. नगेंद्र हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भक्ति- आंदोलन और भक्ति काव्य -शिवकुमार मिश्र भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय हिन्दी उपन्यास - रामचंद्र तिवारी हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार - डॉ. हरिमोहन	इग्नू के नोट्स (एम.ए. पाठ्यक्रम) हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखक - प्रो. भोलानाथ तिवारी) हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल, हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. रमेश खनेजा) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. विजया सती) गद्य विधाओं का उद्भव और विकास (दिल्ली विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तक, लेखिका - डॉ. रमेश खनेजा)

		ख. हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास ग. **प्रमुख उपन्यासकार:** प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी घ. हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास ङ **प्रमुख कहानीकार:** प्रेमचन्द, जयशंकर 'प्रसाद,' सच्चिदानंद वात्स्यायन, 'अज्ञेय,' मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। **नाटक और रंगमंच** क. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास। ख. **प्रमुख नाटककार:** भारतेन्दु, जयशंकर 'प्रसाद,' जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। ग. हिन्दी रंगमंच का विकास। **आलोचना** क. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी, आलोचना और नई समीक्षा। ख. **प्रमुख आलोचक** रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। **हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं** ललित निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतान्त।		
टेस्ट-3 (5365)	**22 फरवरी**	**पद्य साहित्य** 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) संपादक : श्याम सुन्दरदास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) संपादक: रामचंद्र शुक्ल 3. तुलसीदासः रामचरित मानस (सुंदर काण्ड) कवितावली (उत्तर काण्ड). 4. जायसीः पदमावत (सिहंलद्वीप खण्ड और नागमती वियोग खण्ड) संपादक : श्याम सुन्दरदास 5. बिहारीः बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे), संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकार 6. मैथिलीशरण गुप्तः भारत भारती 7. जयशंकर 'प्रसाद': कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) संपादक : राम विलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र 10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्य वीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।	कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी भ्रमरगीतसार (भूमिका) - आ. रामचंद्र शुक्ल जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आ. रामचंद्र शुक्ल जायसी - विजयदेव नारायण साही तुलसी (संकलन) उदयभानु सिंह लोकवादी तुलसी - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी बिहारी - रीति काव्य संग्रह - जगदीश गुप्त कामायनीः मूल्यांकन एवं पुनर्मूल्यांकन (संकलन) - इन्द्रनाथ मदान मैथलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य - कमलकांत पाठक कामायनी के अध्ययन की समस्याएं - डॉ. नगेन्द्र निराला और मुक्तिबोध - चार लम्बी कविताएं - नंद किशोर नवल निरालाः एक आत्महंता आस्था दूधनाथ सिंह	कबीर का काव्य ई-ज्ञानकोष मध्यकालीन काव्य (पद्मावत, तुलसी और सूरदास) -ई-ज्ञानकोष हिन्दी काव्य बिहारी -ई-ज्ञानकोष गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचंद्र शुक्ल प्रसाद, पंत और मैथलीशरण -रामधारी सिंह दिनकर

			मुक्तिबोध (संपादक) - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी कविता के नए प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह असाध्यवीणा और अजेय (संकलन) - रमेश चंद्र शाह कविता का परिसर - रामेश्वर राय	
टेस्ट-4 (5368)	**22 मार्च**	**गद्य साहित्य** 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1) (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति)। 4. निबंध निलयः संपादक डा. सत्येन्द्र, बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राम विलास शर्मा, अजेय, कुबेर नाथ राय। 5. प्रेमचंद: गोदान, 'प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियां': संपादक अमृत राय 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (संपादक) : एक दुनिया समानान्तर, (सभी कहानियां)	भारत दुर्दशाः कथ्य और शिल्प - डॉ. रेवती रमण राकेश के नाटक : कुछ अंतःसूत्र -जगदीश वर्मा आधुनिक नाटक का मसीहाः मोहन राकेश - गोविंद चातक गोदान का महत्त्व - डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र मैला आँचल-गोपाल राय स्कंदगुप्त- डॉ. सिद्धनाथ कुमार एक दुनिया समानांतर की भूमिका - राजेन्द्र यादव	ई-ज्ञानकोष पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री
टेस्ट-5 (5369)	**14 जून**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 1, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-1)		
टेस्ट-6 (5370)	**28 जून**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 2, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-2)		
टेस्ट-7 (5371)	**12 जुलाई**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 1, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-3)		
टेस्ट-8 (5372)	**26 जुलाई**	हिन्दी साहित्य प्रश्न-पत्र 2, संपूर्ण पाठ्यक्रम (Full Length Test-4)		

नोट

- दोनों प्रोग्रामों में, टेस्ट को आपकी सुविधा के अनुसार पुनर्निर्धारित (अंकित तिथि के पश्चात्, किंतु तिथि से पूर्व नहीं) किया जा सकता है।
- ऑफ़लाइन टेस्ट सेंटर दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद, पुणे, बेंगलुरु, अहमदाबाद, लखनऊ, चंडीगढ़ और गुवाहाटी सहित कई शहरों में उपलब्ध हैं। ध्यातव्य है कि गुरुवार को सभी टेस्ट सेंटर बंद रहते हैं।
- अध्ययन सामग्री और टेस्ट बुकलेट केवल सॉफ्ट कॉपी में प्रदान की जाएगी; इन्हें डाक द्वारा नहीं भेजा जाएगा।

Heartiest

Congratulations

to all Successful Candidates

10 in **TOP 10** Selections in **CSE 2024**

from various programs of **Vision IAS**

Shakti Dubey

Harshita Goyal
GS Foundation Classroom Student

Dongre Archit Parag
GS Foundation Classroom Student

Shah Margi Chirag

Aakash Garg

Komal Punia

Aayushi Bansal

Raj Krishna Jha

Aditya Vikram Agarwal

Mayank Tripathi

हिंदी माध्यम में 30+ चयन CSE 2024 में

Ankita Kanti

Ravi Raaz

Mamata

Sukh Ram

Amit Kumar Yadav

DELHI

HEAD OFFICE
33, Pusa Road,
Near Karol Bagh Metro Station,
Opposite Pillar No. 113,
Delhi – 110005

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor,
Mukherjee Nagar, Opposite Punjab
& Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office,
above Gate No. 2, GTB Nagar
Metro Building, Delhi – 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in | /@visioniashindi | /visionias.upsc | /vision_ias_hindi/ | /hindi_visionias

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची